सप्तपदी

हम सुख और दुख दोनों में सदैव साथ रहेंगे।

हम एक दूसरे के प्रति असीम स्नेह एवं अनरक्ति की अभिव्यक्ति करेंगे।

हम सन्तुष्टि को परम ध्येय स्वीकार करते हुए सभी का सम्मान करेंगे।

हम सभी परिस्थितियों में एक-दूसरे के प्रति विश्वसनीय एवं सहायक रहेंगे।

हम पारिवारिक अखण्डता को और भी मजबूत करेंगे।

हमारा अलौकिक प्रेम एक-दूसरे के प्रति समर्पण एवं आत्मीयता का प्रतीक होगा।

हम सभी धार्मिक व पारिवारिक अनुष्ठानों का निष्ठा एवं पूर्ण विवेक के साथ निष्पादन करेंगे।